[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 7420 **F-7** **Your Roll No.....**

Unique Paper Code : 2131504

Name of the Paper : Proficiency in Sanskrit Language (Essay & Translation)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

भाग 'क'

(Part 'A')

1. कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य के नियम उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। (8)

   Explain with examples the rules of कर्तृवाच्य and कर्मवाच्य.

   अथवा / OR

   कारक की परिभाषा देते हुए उसके भेदों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

   Define the Karaka and elucidate the types of karaka with examples.

P.T.O.

2. षष्ठी विभक्ति सम्बन्धी नियमों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (5)

Explain with examples the rules of षष्ठी विभक्ति.

अथवा / OR

तृतीया विभक्ति सम्बन्धी नियमों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

Explain with examples the rules of तृतीया विभक्ति.

3. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच में वाच्य परिवर्तन कीजिए : (5)

Change the voice in any **five** of the following :

(i) लतया भोजनं पक्ष्यते।

(ii) त्वं पाठं पठितवान्।

(iii) तव पुत्रः वेदान् पठन्तु।

(iv) अजां ग्रामं नयेत्।

(v) यदा धर्मस्य ग्लानिर्भवति।

(vi) अस्माभिः कार्यम् अक्रियत।

(vii) रामः ग्रामं गच्छति।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : (5)

Translate in **Sanskrit** any of the **five** sentences :

(a) वह चावलों से भात पकायेगा।

He will cook 'bhaat' from rice.

(b) कवि ने चार पुस्तकें लिखीं।

The poet wrote four books.

(c) यति ने सूर्य को नमस्कार किया।

The saint saluted the sun.

(d) इन मुनियों को फल और फूल दो।

Give flowers and fruits to these saints.

(e) दुर्वासा का तप समग्र जगत् को भस्म करने के लिए पर्याप्त था।

Durvasa's penance was enough to burn the whole world.

(f) माली फूल लेने के लिए बाग में जाता है।

The gardener goes to the garden to get flowers.

(g) जब मैं लिख रहा था, तब गौरी आयी।

Gauri came, while I was writing.

5. निम्नलिखित गद्यांश का **संस्कृत** में अनुवाद कीजिए : (7)

Translate the following paragraph into **Sanskrit** :

सज्जनों के आचार को सदाचार कहते हैं। सज्जन पुरुष सदा दूसरों का उपकार करते हैं। अपने से बड़ों का आदर और सम्मान करते हैं। दूसरों के दुःख में दुःखी होते हैं। अपने स्वार्थ की सिद्धि के लिए दूसरों को हानि नहीं पहुँचाते। मधुर वचन बोलते हैं। प्रत्येक मनुष्य को सदाचार का पालन करना चाहिए।

The behaviour of good men is known as good behaviour. Good men are always grateful to others . They respect and honour their elders. They are saddened by others distress. They do not hurt others for their own gain. They speak kind words. Every human should practice good behaviour.

अथवा / OR

किसी तालाब के किनारे पर एक बालक खेल रहा था। बालक के बहुमूल्य वस्त्रों और गहनों को देख कर एक ठग उसके पास आया। बालक ने ठग को पास आते देखकर रोना शुरू कर दिया। ये देखकर ठग ने रोने का कारण पूछा। बालक ने कहा-मेरी एक सोने की अंगूठी इस तालाब में गिर गयी हैं। ठग ने कपड़े उतारे और पानी में घुस गया।

A boy was playing near a pond of water. Looking at the boy's costly clothes and jewellery, a robber approached him. The boy saw the robber approaching him and started crying. Seeing this, the robber asked him the reason for crying. The boy replied- one of my gold rings has fallen in the pool. The robber removed his clothes and entered the water.

6. निम्न में से किसी **एक** अनुच्छेद का **हिन्दी** अथवा **अंग्रेजी** में अनुवाद कीजिए : (10)

Translate any **one** of the following paragraph into **Hindi** or **English** :

यदि प्रयत्नेऽस्मिन् प्राणा अपि मे विनश्यन्ति तर्हि न कापि चिन्ता । इदानीं पार्वत्या इव मनसि मे निर्बन्धो जातः । अहमेव भविष्यामि उताहो पितृद्वेषः सुतां प्रति । दैनन्दिनावमानात् तु वरं मरणमेव । निभृतनिभृतं रमा पुनः पितृशय्यासमीपं गतवती । दृष्टं तया यज्जलमल्लकं रिक्तमिदानीम् । हर्षोत्फुल्ललोचनाऽसौ स्वयमेव तर्कते - तत्किं पितृचरणेन मयानीतं जलं पीतम् इदानीं परितोषनिर्भरः ससुखं स्वपिति । भवतु चरणसंवाहन करोमि ।

अथवा / OR

लोकेऽस्मिन् कठोरभाषणं शत्रुतां वर्धयति, प्रियभाषणेन परकीया अपि जनाः स्वकीया भवन्ति । इदं हि अमन्त्रतन्त्रं वशीकरणम् । परमस्ति कोऽपि जगति तादृशः पुण्यभाक् यस्य सर्वे मित्राण्येव स्युः, येन सर्वे सहानुभूतिमेव कुर्युः यं च सर्वे प्रशंसेयुः ? उच्यते आम्, अस्ति तादृशोऽपि । विचित्रेऽस्मिन् संसारे नास्ति किमपि दुर्लभम् । प्रियवादी एव जनस्तादृशोऽस्ति यः निजवचनामृतेन सर्वेषामपि प्रीतिभाजनं भवति, यः सर्वदा प्रफुल्लवदनः प्रसन्नमनाः सर्वेषामानन्दसाधनं जायते ।

भाग 'ख'
(Part 'B')

7. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए : (20)

Write an essay on any **one** of the following topics :–

(i) आदिकविः वाल्मीकिः

(ii) भारतीयाः संस्कृतिः

(iii) परोपकारः

(iv) श्रीमद्भगवद्गीता

8. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लघु निबन्ध लिखिए : (15)

Write an essay on any **one** of the following topics :–

(i) भ्रष्टाचारः

(ii) संगणकस्य महत्त्वम्

(iii) मम प्रियक्रीडा

(iv) दूरदर्शनस्य प्रभावः